तापमान
अधिकतम 40.0 डिग्री
न्यूनतम 25.0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार, 25 मई, 2025

11 देवीलाल चौक के पास नाले के स्लैब का हिस्सा टूटा

12 1 करोड़ 8 लाख से होंगे विकास कार्य किया शुभारंभ

GRAND OPENING
!! हरे कृष्णा !!
SUNDAY JUNE 1, 2025
BATRA SUPER SPECIALITY HOSPITAL
A Unit of Batra Heart & Lung Institute LLP
Plot No.1, Rangoli Green, Sector-16 Sonipat
WE GIVE HOPE
9812730888, 8683930000, 86056-86056

उपायुक्त ने एनएचएआई के अधिकारियों के साथ किया नेशनल हाइवे का निरीक्षण

अधिकारियों को सख्त निर्देश

जीटी रोड पर बनाए अवैध कट तुरंत बंद करवाएं

ठेकेदार को लगाई फटकार

फ्लाईओवर जल्द बनाओ नहीं तो कार्रवाई होगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

जिला से गुजरने वाले नेशनल हाइवों पर लोगों की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने शनिवार को एनएचएआई के अधिकारियों के साथ नेशनल हाइवों और जीटी रोड का निरीक्षण किया। उन्होंने जीटी रोड पर अवैध कट तुरंत बंद करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त सबसे पहले गोहाना से सोनीपत तक बनने वाले नेशनल हाइवे पर बड़वासनी व लाठ जोली पहुंचे और ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण के लिए किए जा रहे सभी कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान कार्य में चल रही देरी पर ठेकेदार को फटकार लगाते हुए उन्होंने कहा कि लाठ-जौली व बड़वासनी के फ्लाईओवर व अन्य बचे कार्य को तुरंत पूरा करवाएं अन्यथा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि फ्लाईओवर के निर्माण में बाधा बनने वाले पेड़ों को काटने की बजाए उन्हें शिफ्ट किया जाए ताकि पर्यावरण को कोई नुकसान न हो। उन्होंने कहा कि कुण्डली व बड़ी में रोड़ पार करने वाले लोगों की सुविधा के लिए कुण्डली, राई तथा बड़ी में फुटओवर ब्रिज का निर्माण करवाएं। इस दौरान उनके साथ एनएचएआई के पीडी जगभूषण सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीसी ने कहा- गोहाना-सोनीपत नेशनल हाइवे का निर्माण जल्द पूरा हो

सोनीपत। अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते हुए उपायुक्त।

पेट्रोलिंग के लिए लगाई जाए छह गाडियां

डीसी डॉ. मनोज कुमार ने भिगान टोल के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जीटी रोड पर पेट्रोलिंग के लिए कम से कम 06 गाडियां होनी चाहिए जो प्रत्येक 10 किलोमीटर पर तैनात रहे ताकि दुर्घटना होने पर तुरंत गाड़ी वहां पहुंचे और घायल लोगों को समय पर हस्पताल पहुंचाया जा सके और वाहन को भी तुरंत हटाया जा सके ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके बाद उपायुक्त ने गोल्डन हट के पास बारिश के समय सडक पर पानी इकट्ठा होने की परेशानी को दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के पानी को दोनों ओर बनी ग्रीन बेल्ट पर पहुंचाने की व्यवस्था करें ताकि पानी सड़क पर इकट्ठा न हो।

भिगान टोल : फास्टैग सेंसर अपडेट करें

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने भिगान टोल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फास्टैग सेंसर की जांच तो पता चला कि वो समय-समय पर सही तरह कार्य नहीं करता जिससे टोल पर जाम लग जाता है। इसको लेकर उन्होंने टोल के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि इस सेंसर सिस्टम को तुरंत अपडेट करें। इसके बाद उन्होंने टोल के कंट्रोल रूम का दौरा किया। निर्देश दिए कि इन कैमरों की आईपी और पासवर्ड उन्हें भी उपलब्ध करवाएं। इसके बाद झरोठी टोल का निरीक्षण किया जहां टोल पर केवल 2 ही लाइन खोली गई थी। उपायुक्त ने फटकार लगाते हुए सभी लाइनों को चालू रखने के निर्देश दिए।

डिवाइडर से टकराई बाइक, बुजुर्ग की मौत

■ शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा

सोनीपत। राई थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए बुजुर्ग को अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

उत्तम नगर निवासी इमरान ने बताया कि उसका पिता इतबाल शाम के समय के कृष्ण कुमार के साथ उसकी बाइक पर किसी काम से बाहर जा रहे थे। कृष्ण बाइक को तेज रफ्तार से बाइक चला रहा था। बाइक डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में उसका पिता घायल हो गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। जांच अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

हैबिटेट क्लब में होगा योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि 11 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के लिए 26 से 28 मई तक हैबिटेट क्लब में प्रातः 6 बजे से 7:30 तक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। योग प्रशिक्षण जिले की योग समितियों के योग शिक्षक खेल विभाग के योग प्रशिक्षण एवं आयुष विभाग योग विशेषज्ञ व आयुष योग सहायकों द्वारा सरकारी व निजी स्कूलो के प्रवक्ता शरीरिक शिक्षकों, पीटीआई व डीपीआई को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

South Point
GROUP OF INSTITUTIONS, SONIPAT
Run by Mange Ram Educational and Charitable Trust (Regd.)
98120 20033, 98124 21919, 90344 72910
Direct Admission
SOUTH POINT INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT
B.Tech / LEET (CSE, ECE, MECHANICAL, CIVIL)
M.Tech (CSE, ECE) ● M.Tech Part Time (ECE / CSE)
SOUTH POINT SCHOOL OF POLYTECHNIC
Diploma / LEET (CSE, ECE, ELECTRICAL, MECHANICAL, CIVIL, MLT)
SOUTH POINT SCHOOL OF COMPUTER APPLICATION & MANAGEMENT
BBA, BCA, MBA, MCA
SOUTH POINT COLLEGE OF LAW B.A. LL.B (Hons.), L.L.B. (Hons.), LLM (Hons.)
SOUTH POINT DEGREE COLLEGE
B.A., B.Sc. (Medical/Non-Medical), B.Com, M.Com, PGD (Yoga)
M.Sc. (Physics, Chemistry, Maths) ● M.A. (English, Hindi, History, Pol. Science)
SOUTH POINT P.G. COLLEGE OF EDUCATION
B.Ed., M.Ed., JBT / D.Ed., B.P.Ed.
MANGE RAM WOMEN'S COLLEGE OF EDUCATION B.Ed.
SOUTH POINT COLLEGE OF PHARMACY
D.Pharm, B.Pharm, B. Pharm / Leet
MANGE RAM COLLEGE OF PHARMACY D.Pharm
SOUTH POINT COLLEGE OF NURSING
B.Sc. (Nursing)
SOUTH POINT WORLD SCHOOL
SOUTH POINT PUBLIC SCHOOL
CBSE Affiliated, Senior Secondary Schools
DILBAG S. KHATRI
Chairman
www.southpoint.net.in

G3 SCHOOL
GYAN GANGA GLOBAL
XII Board Result 2024-25 School Toppers
I RANK NEELANJANA (Medical)
II RANK TANNU (Non-Medical)
III RANK KOMAL (Medical)
Subject Wise Highest Marks
TYPOGRAPHY 100
ENGLISH 97
BIOLOGY 95
PHYSICAL EDU. 95
CHEMISTRY 92
PHYSICS 85
X Board Result 2024-25 School Toppers
I RANK ANANYA
II RANK SAKSHAM
III RANK SUJAL
Subject Wise Highest Marks
MATHS 97
COMPUTER 97
HINDI 94
ENGLISH 93
S.S.T 93
Non-Medical
Medical
Commerce
Humanities
Admission OPEN Class XI 2025-26
100% RESULT
Meritorious Students will be given Scholarship on Admission
Azad Chowk, Gohana Bypass Road, Jahari, Sonipat
M: 8607778811 / 8607778822 / 8607178811

RUKMINI DEVI PUBLIC SCHOOL
The School with a difference....
Under The Aegis Of Seth Pokhar Mal Educational Society
STATE OF THE ART INFRASTRUCTURE
Excellence in Education
BRITISH COUNCIL
"10 Years of Shaping Tomorrow's Leaders: Educating, Inspiring, Empowering"
NO ADMISSION FEE FOR GIRL CHILD
ADMISSION OPEN
SESSION 2025-26
FOR CLASSES PS TO IX & XI
Special Discount in Admission Fee for Meritorious Students
Outstanding Accomplishment!!
CLASS X TOPPERS
TULIKA 96.6%, ANKUR 95.4%, AYUSH KUMAR 89.8%, YUVIKA 88.6%, DISHA 87.4%, DEV 87%, ANANYA 86.2%, DEEPALI 84%, SAMEER 83.6%
JASMEET 83.6%, MANVIKA 83.4%, RIDDHIMA 82.2%, JAI 83%, NAVYA 82.2%, MAYANK 81.6%, HARSH CHAUHAN 80.6%, LAVANYA 80.4%, VANSH 80%
SUBJECT WISE TOPPERS

Name	Subject	Marks	Name	Subject	Marks	Name	Subject	Marks	Name	Subject	Marks
Tulika	English	97	Manshi	Hindi	96	Ankur	Math	100	Tulika	Social Science	98
Ankur	Hindi	96	Tulika	Math	100	Tulika	Science	98	Dev	Social Science	98

CLASS XII TOPPERS
DISHITA 96.6%, YASHIKA 93.4%, AASHNA 92.6%, HIMANSHI 92.4%, ARYAN 91.4%, ADITYA 89%, MAHI 88.4%, DIMPLE 88%
KARTIK 84.4%, NAVEEN 83%, RIYA TUSHIR 82.4%, SIDHI 82.4%, ISHIKA 82%, SHIVAM 82%, HARSHIT 81.4%, LOVEMEET 81%, CHHAVI 80.8%
SUBJECT WISE TOPPERS

Name	Subject	Marks	Name	Subject	Marks	Name	Subject	Marks	Name	Subject	Marks
Dishita	English	97	Ishika	Biology	90	Himanshi	Political Science	97	Nikhil,	Physical Education	94
Mahi	Business Studies	86	Kartik	Maths	85	Himanshi	Geography	100	Harshit,	Physical Education	94
Kartik	Physics	89	Dishita	Economics	99	Dimple	Accountancy	89	Mahi,	Physical Education	94
Aditya	Chemistry	85	Yashika	History	97	Aditya, Dishita	Computer Science	98	Yashika	Physical Education	94

CONGRATULATIONS TO ALL RUKMINIANS FOR EXCELLENCE IN CBSE BOARD RESULT IN CLASSES X & XII 2024-2025
+91-9996547888 +91-7357223501
43.7 Milestone, NH-44, Vardaan Chowk, Opposite Sector-7, Sonipat (Haryana)
contact@rdps-nh1.edu.in
www.rdps-nh1.edu.in

घरेलू मक्खी से करीब 30 बीमारियां हो सकती है।

घोड़ा अपने वजन से पांच गुना अधिक बोझ खींच सकता है।

लड़कियां आईटीआई में कर सकती हैं कुछ स्पेशल कोर्स

नालेज

यंगभूमि डेस्क

लड़का हो चाहे लड़की, पढ़ाई में अब भेदभाव नहीं रहा है। आज के समय में हर कोई व्यक्ति अपने बच्चों को साक्ष्य बनाना चाहता है यानी कि बच्चों को अच्छा पढ़ाना चाहता है। लड़कियों के लिए विशेष तौर पर कई प्रकार के अलग-अलग डिग्री व डिप्लोमा मौजूद होते हैं। लड़का और लड़की समान रूप से शिक्षा हासिल कर रहे हैं। लड़कियां कुछ ऐसे कोर्स कंप्लीट करके अपने करियर को आगे बढ़ा सकती हैं। करियर बनाने के लिए आईटीआई कोर्स लड़कों और लड़कियों के लिए उचित अवसर माना जाता है आईटीआई कोर्स में लड़कियों के लिए कुछ स्पेशल कोर्स जैसे हेयर डिजाइनिंग कोर्स इत्यादि मौजूद होते हैं।

लड़कों से कम नहीं लड़कियां

आज के समय में ऐसा माना जाता है कि लड़कियां लड़कों से कम नहीं है ऐसे में लड़कियों के लिए भी अलग से आईटीआई कोर्स उपलब्ध करवाए गए हालांकि इन कोर्सों को लड़के भी कर सकते हैं। लेकिन विशेष तौर से इन कोर्स को लड़कियों के लिए उपलब्ध करवाया गया है। जिसमें से लड़कियां किसी भी एक और को चुनकर अपने करियर को सकते हैं और अपने फ्यूचर में खुद को काबिल बना सकते हैं।

हेयर एंड स्किन केयर का कोर्स

हेयर एंड स्किन केयर का आईटीआई कोर्स जो विशेष तौर से लड़कियों के लिए उपलब्ध करवाया गया है इस कोर्स के नाम से ही पता चलता है कि इस कोर्स में लड़कियों की रुचि सबसे ज्यादा होती है। आईटीआई के इस कोर्स के माध्यम से सुंदरता और देखभाल संबंधित महत्वपूर्ण चीजें सिखाई जाती है। मुख्य तौर पर लड़कियां इस प्रकार के कोर्स को करने में अपनी अधिक रुचि दिखाती है और लड़कियों के लिए ही विशेष तौर से यह कोष उपलब्ध करवाया गया है। इस कोर्स को करने के पश्चात लड़कियां ब्यूटी पार्लर में नौकरी कर सकती है और खुद का ब्यूटी पार्लर भी खोल सकते हैं और अपने करियर को एक जगह पर स्टेबल करने में उन्हें मदद मिलती है।

कढ़ाई एवं सिलाई

लड़कियों के लिए दूसरा सबसे बेहतरीन आईटीआई कोर्स कटाई व सिलाई आईटीआई कोर्स है। इस कोर्स के अंतर्गत सिलाई के विशेष प्रकार के कार्य लड़कियों को सिखाए जाते हैं और साथ ही साथ कढ़ाई के काम भी सिखाए जाते हैं। आज के समय में कटाई और सिलाई की लोकप्रियता तथा डिमांड दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। ऐसे में यह आईटीआई कोर्स करके आप किसी भी बड़ी सिलाई या कढ़ाई की फैक्ट्री में मशीन ऑपरेटिंग का काम कर सकते हैं या फिर अपना खुद का सिलाई व कढ़ाई का काम शुरू कर सकते हैं।

स्टाइल और फैशन के कोर्स

आईटीआई के बहुत सारे कोर्स है। जिसमें स्टाइल और फैशन के कोर्स भी मौजूद है। आईटीआई के फैशन डिजाइनिंग का कोर्स विशेष तौर से लड़कियों के लिए उपलब्ध होता है। इसको उसको करने के पश्चात लड़कियां फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में अपने भविष्य को आगे बढ़ा सकती है। फैशन डिजाइनिंग का आईटीआई कोर्स करने के पश्चात लड़कियां खुद का ब्यूटी पार्लर खोलने के साथ-साथ कई तरह से फैशन डिजाइनर के तौर पर भी नौकरी हासिल कर सकती है। फैशन डिजाइनिंग आईटीआई कोर्स करने के पश्चात हर लड़की का भविष्य सिक्योर माना जाता है। क्योंकि आज के समय में फैशन डिजाइनर की डिमांड बहुत ही अधिक है।

ये कोर्स करियर बनाने में सहायक

स्टेनोग्राफर

आईटीआई में सबसे लोकप्रिय कोर्स स्टेनोग्राफर का कोर्स माना जाता है। इस स्टेनोग्राफर आईटीआई कोर्स करने के पश्चात सरकारी व निजी क्षेत्र में नौकरी उपलब्ध होने के चांस बहुत अधिक बढ़ जाते हैं। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के पश्चात किसी भी पद पर नौकरी हासिल करने के चांस बढ़ जाते हैं। सरकारी विभाग में कई स्टेनोग्राफर के पद पर भर्ती निकाली जाती है। ऐसे में आप यदि आईटीआई कोर्स कर चुके हैं। तो आपको प्रायोरिटी के साथ स्टेनोग्राफर पद पर शामिल होने का मौका मिलेगा स्टेनोग्राफर आईटीआई कोर्स है। जिसे लड़के व लड़कियां दोनों करते हैं। लेकिन लड़कियों के लिए यह एक बेहतरीन सुनहरा अवसर माना जाता है। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के पश्चात आप अपने टाइपिंग स्पीड को बढ़ा सकते हैं और कंप्यूटर टाइपिंग स्पीड अच्छी होने पर हर जगह आप की डिमांड बढ़ जाएगी आज के समय में पूरी दुनिया कंप्यूटर पर ही आधारित है और हिंदी व अंग्रेजी टाइपिंग स्पीड अच्छी है। तो आपको सरकारी जॉब के साथ-साथ निजी क्षेत्रों में भी जॉब के अच्छे अवसर मिलने शुरू हो जाएंगे।

इंटीरियर डेकोरेशन और डिजाइनिंग

आईटीआई का एक कोर्स जिसे मुख्य तौर पर लड़कियां अधिकतर चयन करती है। इस कोर्स के माध्यम से इंटीरियर डेकोरेशन और डिजाइनिंग के बारे में विशेष ज्ञान अर्जित करने का मौका मिलता है। लड़कियां इंटीरियर डिजाइन और इंटीरियर डेकोरेशन का काम कर अपने भविष्य के लिए रोजगार के कई सारे अवसर उपलब्ध खुद ही करवा सकते हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां पर दिन प्रतिदिन डिमांड बढ़ती जा रही है और हर जगह बिजनेस हो या घर आंतरिक सजावट और डिजाइनिंग के लिए इंटीरियर डिजाइनर को बुलाया जाता है। ऐसे में यदि आपके पास इंटीरियर डेकोरेशन की कला है और आपने आईटीआई कोर्स कर रखा है। तो आपके लिए जॉब के बेहतरीन अवसर आपके सामने उपलब्ध होंगे।

हाउसकीपिंग

घर की देखभाल करने के लिए लड़कियां ऐसे भी माहिर होती है। लेकिन यदि हाउसकीपिंग जैसे आईटीआई कोर्स से लड़कियां ज्ञान अर्जित कर लेती है। तो उसके पश्चात घर की देखभाल में उन्हें और भी अधिक सहूलियत हो जाती है। सीधी भाषा में इसका मतलब यह हुआ कि घर की देखभाल करने के लिए जो आईटीआई कोर्स मौजूद है उसे हाउसकीपिंग आईटीआई कोर्स कहा जाता है। आईटीआई कोर्स के माध्यम से लड़कियां भविष्य में प्राइवेट सेक्टर में तो नौकरी हासिल कर सकती है। हाउसकीपिंग आईटीआई कोर्स करने के पश्चात आपको कहीं भी हाउस कीपर के तौर पर नौकरी मिल जाती है और इसकी सैलरी भी अच्छी मिलती है।

नवयुवकों के लिए एक बेहतरीन करियर विकल्प बनकर उभरा

तकनीक के क्षेत्र में रुचि है तो बनें एथिकल हैकर इंटरनेट को सुरक्षित बनाने में निभाएं अहम भूमिका

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

डिजिटल सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता

यदि आप तकनीक के क्षेत्र में रुचि रखते हैं और इंटरनेट की दुनिया को सुरक्षित बनाने की चाह रखते हैं, तो एथिकल हैकर बनना एक उत्कृष्ट करियर विकल्प हो सकता है। एथिकल हैकिंग वह विधा है, जिसमें आप कम्प्यूटर प्रणाली की कमजोरियों को खोजकर उन्हें सुरक्षित करने का कार्य करते हैं। यह पेशा आधुनिक युग में बेहद आवश्यक होता जा रहा है, क्योंकि डिजिटल सुरक्षा अब किसी भी देश, संस्था या व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता बन गई है। एथिकल हैकर को 'वाइट हैट हैकर' भी कहा जाता है, जो संगठनों की अनुमति से उनकी वेबसाइट, नेटवर्क और सॉफ़्टवेयर में संभावित खामियों को खोजता है। उनका उद्देश्य इन खामियों का दुरुपयोग नहीं, बल्कि उन्हें ठीक कराना होता है, ताकि कोई दुर्भावनापूर्ण हैकर (ब्लैक हैकर) इनका फ़ायदा न उठा सके। वे परीक्षण के माध्यम से साइबर प्रणाली को सुदृढ़ बनाते हैं और डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

प्रमुख शैक्षणिक संस्थान और पाठ्यक्रम

सरकारी संस्थान

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर
   पाठ्यक्रम: साइबर सुरक्षा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली
   पाठ्यक्रम: सूचना सुरक्षा में बी.टेक/एम.टेक
3. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), हैदराबाद
   पाठ्यक्रम: साइबर सिस्टम और नेटवर्किंग
4. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू)
   पाठ्यक्रम: सूचना सुरक्षा में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

निजी संस्थान

1. वेबसेक लैब्स, बेंगलुरु
   पाठ्यक्रम: एथिकल हैकिंग और पेनिट्रेशन टेस्टिंग
2. अपग्रेड (ऑनलाइन प्लेटफॉर्म)
   पाठ्यक्रम: साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ कार्यक्रम
3. एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
   पाठ्यक्रम: बी.टेक इन साइबर लॉ एंड सिक्योरिटी
4. एरेना मल्टीमीडिया
   पाठ्यक्रम: नेटवर्क सुरक्षा और नैतिक हैकिंग में डिप्लोमा

वेतन प्रारंभिक स्तर

25,000 – 60,000 प्रति माह
वार्षिक: 3,00,000 – 7,20,000
मध्यम अनुभव (3–5 वर्ष):
80,000 – 1,50,000 प्रति माह
वार्षिक: 9,60,000 – 18,00,000

वरिष्ठ स्तर

20 लाख – 40 लाख प्रति वर्ष
1,66,667 – 3,33,333 प्रति माह (लगभग)

आवश्यक कौशल

- एक एथिकल हैकर को केवल तकनीकी ज्ञान ही नहीं, बल्कि तेज विश्लेषणात्मक सोच भी होनी चाहिए।
- उन्हें नेटवर्क सुरक्षा, एनक्रिप्शन, वायरस डिटेक्शन जैसे पहलुओं की गहरी समझ होनी चाहिए। संवाद
- कौशल और नैतिक जिम्मेदारी इस क्षेत्र में विशेष महत्त्व रखते हैं। उन्हें यह भी जानना होता है कि एक
- हमलावर कैसे सोच सकता है। तभी वे सिस्टम को उस स्तर पर सुरक्षित कर पाते हैं। लगातार अपडेट
- रहना और नई तकनीकों को सीखना इस पेशे में जरूरी है। नेटवर्क सुरक्षा और फ़ायरवॉल की समझ पेनिट्रेशन टेस्टिंग तकनीकें मैलवेयर विश्लेषण और वायरस डिटेक्शन प्रणाली और डेटा एनक्रिप्शन रिपोर्ट लेखन और जोखिम मूल्यांकन

स्वतंत्र सलाहकार

प्रति प्रोजेक्ट: 50,000 – 5,00,000
-यदि 12 प्रोजेक्ट साल में करें तो 6,00,000 – 60,00,000 वार्षिक (अनुमानित)

प्रमुख कार्य क्षेत्र

- **बैंकिंग और वित्तीय संस्थाएं :** ग्राहकों की जानकारी की सुरक्षा
- **सरकारी एजेंसियां :** राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी सूचना संरचना की रक्षा
- **आईटी कंपनियां :** सॉफ़्टवेयर और ऐप की सुरक्षा जांच
- **ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म :** ऑनलाइन भुगतान प्रणाली की निगरानी
- **स्वास्थ्य सेवाएं :** रोगियों के डिजिटल रिकॉर्ड की रक्षा
- **शैक्षणिक संस्थान :** छात्र डेटा और पोर्टल सुरक्षा

शिक्षा और योग्यता

एथिकल हैकिंग में करियर बनाने के लिए तकनीकी पृष्ठभूमि बहुत ज़रूरी होती है। इसमें कंप्यूटर नेटवर्क, ऑपरेटिंग सिस्टम और प्रोग्रामिंग की समझ होना आवश्यक है। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा से जुड़े विषयों की पढ़ाई भी आवश्यक है। छात्र बी.टेक, एम.टेक या डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रमों के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं। साथ ही, कुछ ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। बहु-विषयक समझ और व्यावहारिक अनुभव इस क्षेत्र में सफलता की कुंजी हैं।

- **कंप्यूटर नेटवर्क और ऑपरेटिंग सिस्टम**
- **साइबर सुरक्षा और नैतिक हैकिंग**
- **क्रिप्टोग्राफी और सूचना सुरक्षा**
- **प्रोग्रामिंग भाषाएँ (जैसे: पायथन, सी, जावा)**
- **डेटा संरचना और एल्गोरिदम**

रोज़गार के अवसर

एथिकल हैकर के लिए नौकरी के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। सरकारी विभागों से लेकर निजी कंपनियाँ इनकी सेवाएं लेती हैं। रक्षा, बैंकिंग, आईटी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग बढ़ रही है। आज की दुनिया में डेटा सबसे बड़ा संसाधन बन चुका है। इसकी सुरक्षा एथिकल हैकर की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। वे स्वतंत्र सलाहकार, स्टार्टअप संस्थापक या फुल टाइम प्रोफेशनल के रूप में काम कर सकते हैं।

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ)
- भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसी (सीईआरटी-इन)
- बैंकों और बीमा कंपनियाँ
- आईटी कंपनियाँ – टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो
- विदेशी फर्म – गूगल इंडिया, अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट
- स्टार्टअप और फ्रीलांसिंग प्रोजेक्ट्स

वेतन और संभावनाएं

एथिकल हैकर के लिए नौकरी के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। सरकारी विभागों से लेकर निजी कंपनियाँ इनकी सेवाएं लेती हैं। रक्षा, बैंकिंग, आईटी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग बढ़ रही है। आज की दुनिया में डेटा सबसे बड़ा संसाधन बन चुका है। इसकी सुरक्षा एथिकल हैकर की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। वे स्वतंत्र सलाहकार, स्टार्टअप संस्थापक या फुल टाइम प्रोफेशनल के रूप में काम कर सकते हैं।

करियर सलाहकार से लें सलाह

एथिकल हैकिंग एक ऐसा क्षेत्र है जो न केवल तकनीकी विशेषज्ञता, बल्कि ईमानदारी और जिम्मेदारी की भी मांग करता है। यदि आप डिजिटल दुनिया को सुरक्षित बनाने की दिशा में योगदान देना चाहते हैं, तो यह करियर न केवल चुनौतीपूर्ण बल्कि बेहद सम्मानजनक भी हो सकता है। किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.careerjaano.com**पर भी विज़िट कर सकते हैं।

धैर्य और संयम अनमोल गुण, ये शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास में करते मदद

मोटिवेशनल
डॉ. दिव्या तंवर

युद्ध के मैदान में सैनिकों को अक्सर ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जहां धैर्य और संयम ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनते हैं। लंबी प्रतीक्षा, संसाधनों की कमी, अनिश्चितता, और कठिन मौसम जैसी चुनौतियां सैनिकों से धैर्यपूर्ण और संयमित रहने की मांग करती हैं। इसी तरह, छात्रों के जीवन में भी धैर्य और संयम अनमोल गुण हैं, जो उन्हें शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास में मदद करते हैं। पढ़ाई के दौरान जटिल विषयों को समझने, लंबे समय तक लगातार मेहनत करने, या परीक्षा में अच्छे अंक न आने पर हार न मानने के लिए धैर्य की आवश्यकता होती है। युद्ध की ऐतिहासिक कहानियां, जैसे प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध, हमें सिखाती हैं कि जल्दबाजी में लिए गए फैसले अक्सर विनाशकारी साबित होते हैं, जबकि संयम के साथ सही समय पर उठाए गए कदम जीत की ओर ले जाते हैं।

धैर्यपूर्वक अवसर का इंतजार करना रणनीति का मूल

उदाहरण के लिए, सन त्जु की पुस्तक 'द आर्ट ऑफ वॉर' में बताया गया है कि धैर्यपूर्वक सही अवसर का इंतजार करना रणनीति का मूल आधार है। छात्रों को भी इस सिद्धांत को अपनाना चाहिए। जब वे किसी कठिन अध्याय को समझने में समय लेते हैं या असफलता के बाद दोबारा प्रयास करते हैं, तो धैर्य उन्हें निराशा से बचाता है और आत्मविश्वास प्रदान करता है। इसके अलावा, संयमित व्यवहार उन्हें तनावपूर्ण परिस्थितियों में शांत रहने और सोच-समझकर निर्णय लेने की क्षमता देता है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई छात्र परीक्षा की तैयारी में पिछड़ रहा है, तो संयम के साथ समय प्रबंधन और लगातार छोटे-छोटे प्रयास उसे सफलता की ओर ले जा सकते हैं। युद्ध के सबक हमें यह भी सिखाते हैं कि धैर्य और संयम न केवल व्यक्तिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करते हैं, बल्कि दूसरों के साथ बेहतर संबंध बनाने में भी सहायक हैं। स्कूल में सहपाठियों के साथ छोटे-मोटे विवादों को सुलझाने या शिक्षकों की सलाह को ध्यान से सुनने में संयम का उपयोग करना छात्रों को एक जिम्मेदार और परिपक्व व्यक्तित्व प्रदान करता है। इस प्रकार, धैर्य और संयम को अपनाकर छात्र न केवल अपनी शैक्षिक यात्रा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि जीवन की हर चुनौती को आत्मविश्वास और शांति के साथ पार कर सकते हैं। युद्ध से मिला यह सबक हमें याद दिलाता है कि कठिनाइयों में धैर्य बनाए रखना और संयमित दृष्टिकोण अपनाना ही सच्ची जीत का मार्ग है।

योजना बनाना जरूरी

रणनीति और नियोजन की कला : युद्ध में सफलता के लिए सटीक रणनीति और नियोजन जरूरी है। प्राचीन ग्रंथ 'द आर्ट ऑफ वॉर' में सन त्जु ने बताया कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पहले उसकी योजना बनानी चाहिए।

धैर्य और संयम : युद्ध में सैनिकों को कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना पड़ता है। यह गुण छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण है। परीक्षा की तैयारी, असफलता या मुश्किल समय में धैर्य और संयम से काम लेना उन्हें मजबूत बनाता है।

साहस और दृढ़ता : युद्ध में सैनिक असंभव लगने वाली परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते। छात्रों को भी अपने जीवन में साहस दिखाना चाहिए। चाहे वह नई चीजें सीखना हो, असफलता से उबरना हो या चुनौतियों का सामना करना हो, दृढ़ता और साहस उन्हें आगे बढ़ने में मदद करते हैं।

टीमवर्क और नेतृत्व : युद्ध में कोई भी सेना अकेले नहीं लड़ती; यह सामूहिक प्रयास का परिणाम होता है। छात्रों को भी समूह में काम करने का महत्व समझना चाहिए। स्कूल प्रोजेक्ट्स, खेल या अन्य गतिविधियों में एकजुट होकर काम करने से न केवल सफलता मिलती है, बल्कि नेतृत्व के गुण भी विकसित होते हैं। युद्ध के उदाहरणों से सीखें कि एक अच्छा नेता कैसे अपनी टीम को प्रेरित करता है।

सामान्य ज्ञान

1. गोबर पर उगने वाले कवक कहलाते हैं
(ए) साक्सीकोलस
(बी) टेरीकोल्स
(सी) कोर्टीकोल्स
(डी) कोप्रोफिलस

2. निम्न में से किसमें क्लोरोफिल नहीं होता है ?
(ए) शैवाल
(बी) ब्रायोफाईटस
(सी) टैरोडोफाईटस
(डी) कवक

3. आलू का लेट ब्लाईट उत्पन्न होता है -
(ए) एल्बयूगो कैंडीडा द्वारा
(बी) फ्यूजेरियम मोनिलीफार्म द्वारा
(सी) फाइटोप्थोरा इन्फेस्टेंस द्वारा
(डी) आल्टनेरिया सोलेनाई द्वारा

4. डबल रोटी के निर्माण में काम आने वाला कवक है -
(ए) राईजोफस स्टोलनिफर
(बी) जाइगो सैकरोमाइसीज
(सी) सैकरोमाईसीज सेरेवीसी
(डी) सैकरोमाईकोडिस

5. पेनीसीलीयम क्या है ?
(ए) विषाणु
(बी) शैवाल
(सी) कवक
(डी) जीवाणु

6. पेनिसिलिन की खोज किसने की थी ?
(ए) चार्ल्स गुडईयर
(बी) माइकल फैराडे
(सी) एलेक्जेंडर फ्लेमिंग
(डी) विलियम हार्वे

7. अर्गोट (**Ergot**) प्राप्त होता है।
(ए) राईजोबियम से
(बी) क्लेवीसेप्स से
(सी) फाइटोमोनौस से
(डी) एलब्युगो से

8. औद्योगिक स्तर पर पेनिसिलिन प्राप्त किससे किया जाता है ?
(ए) पेनिसिलियम एक्सपेन्स्म से
(बी) पेनिसीलियम क्राईसोजेनम से
(सी) पेनीसीलीयम नोटेटम से
(डी) पेनीसीलियम क्लेवीफॉर्म से

9. यीस्ट में कायिक जनन होता है -
(ए) मुकुलन द्वारा
(बी) एकाईनिटस द्वारा
(सी) एप्लाजोस्पोर्स द्वारा
(डी) एस्कोस्पोर्स द्वारा

उत्तर 1.(डी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(सी) 5.(सी) 6.(सी) 7.(बी) 8.(बी) 9.(ए)

देवीलाल चौक के पास गुजर रहे नाले के स्लैब का बड़ा हिस्सा टूटा, हादसे का खतरा, प्रशासन बेखबर

गन्नौर। देवीलाल चौक के पास क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ा नाले का स्लैब।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

शहर के सबसे व्यस्ततम चौराहों में से एक देवीलाल चौक के पास गुजर रहे नाले के स्लैब का एक बड़ा हिस्सा बीते पांच दिनों से टूटा पड़ा है। इसके बावजूद प्रशासन और संबंधित अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिससे रोजाना हजारों वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

यह नाला रेलवे रोड के किनारे स्थित है और इसके टूटने से लगातार जाम की स्थिति बन रही है। कई बार वाहन इस टूटे हिस्से में फंसते-फिसलते नजर आते हैं, जिससे हादसे की आशंका भी बनी हुई है। राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थान और भी खतरनाक हो गया है। स्थानीय लोगों ने कई बार नगर पालिका से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इसे ठीक नहीं किया गया, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कदम उठाने की मांग की है ताकि आवागमन सुरक्षित और सुचारू हो सके।

जल्द करवाएंगे मुरम्मत

इस संबंध में एसडीएम प्रवेश कादियान से बातचीत की गई, तो उन्होंने बताया कि नाले की मरम्मत का कार्य जल्द ही शुरू कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित विभाग को निर्देश दिए जाएंगे इस क्षतिग्रस्त स्लैब को प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाएगा ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

गोहाना। अभिभावकों के साथ कॅरियर निर्माण संबंधी जानकारी साझा करते शिक्षक।

अभिभावक बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करें : रीना

गोहाना। गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ उनके बच्चों की दिनचर्या को लेकर विचारविमर्श किया। अध्यक्षता प्राचार्य सुभाष चन्द्र ने की। स्कूल की एमडी रीना मलिक ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करें। अगर बच्चा कोई गलती कर देता है तो उसे डांटने की बजाए उसे गलती का अहसास करवाएं और उसके जीवन पर पडऩे वाले प्रभावों की जानकारी दें। कार्यक्रम में शिक्षकों ने अभिभावकों के साथ 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के कॅरियर निर्माण संबंधी जानकारी भी साझा की।

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

गन्नौर। शनिवार को गन्नौर रेलवे स्टेशन पर पानी पीने के लिए उतरे 49 वर्षीय व्यक्ति की ट्रेन में चढ़ते समय फिसलने से मौत हो गई। सूचना पा कर जीआरपी मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत के सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक की पहचान जम्मू कश्मीर के उधमपुर के रहने वाले संजय के रूप में हुई है। जीआरपी चौकी प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि संजय उधमपुर से झेलम एक्सप्रेस ट्रेन से पूणा जा रहा था। गन्नौर रेलवे स्टेशन पर वह पानी पीने के लिए उतरा था। जब ट्रेन चल पड़ी तो संजय ट्रेन में चढ़ने लगा, लेकिन उसका पैर फिसल गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गया। मृतक के पास से मिले आधार कार्ड उसकी पहचान हुई है।

खेत से सोलर की तार चोरी, मुकदमा दर्ज

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र के गांव रतनगढ़ में किसान के खेत से सोलर की तार चोरी होने का मामला सामने आया है। किसान ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस चोरों की तलाश के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी की रिकार्डिंग खंगाल रही है। ताकि कोई सुराग हाथ लग सके। गांव रतनगढ़ निवासी ललित ने बताया कि वह खेती बाड़ी का काम करता है। उसने दो सोलर कनेक्शन ले रखे है। गत 20 मई को किसी ने खेत में लगे सोलर से तारें चोरी कर ली। अपने स्तर पर चोरों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी।

ट्रैक्टर से टक्कर में बाइक सवार की मौत

गोहाना। सोनीपत रोड स्थित नई सब्जीमंडी के निकट चालक ने कट से अचानक ट्रैक्टर मोड़ दिया। ट्रैक्टर से बाइक की टक्कर हो गई। बाइक पर सवार गांव खेड़ी दमकन के सागर की मौत हो गई। शहर थाना गोहाना में केस दर्ज किया गया। मूल रूप से गांव खेड़ी दमकन के विजयपाल हाल में गोहाना के गांधी नगर में रहते हैं। वह बाइक पर अपने गांव जा रहा था। दूसरी बाइक पर उसका भतीजा सागर उसके आगे-आगे था, जो गांव जा रहा था। सागर सोनीपत रोड स्थित नई सब्जी मंडी के निकट पहुंचा तो चालक ने बिना संकेत दिए ट्रैक्टर को कट से मोड़ दिया। ट्रैक्टर अचानक बाइक के सामने आ गया। सागर बाइक समेत ट्रैक्टर से टकराकर गिर गया।

कॅरियर निर्माण के अकादमिक कोर्स का चयन करें

गोहाना। शनिवार को शहीद नंबरदार समिति शामड़ी द्वारा कैरियर गाइडेंस काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम गांव शामड़ी के राजकुमार मेमोरियल स्कूल और राजकीय वमावि में आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता जींद से सुनील खोखर ने कहा कि विद्यार्थी 10वीं व 12वीं की परीक्षा के बाद कैरियर की दृष्टि से अकादमिक कोर्स का चयन करें। विद्यार्थी रुचि के अनुसार ही लक्ष्य निर्धारित करें और उसके बाद उसे हासिल करने के लिए अनुशासन में रहकर मेहनत करें। ग्रामीण क्षेत्र में अभिभावकों में शिक्षा के अभाव कारण विद्यार्थियों की रुचि की पहचान कर अकादमिक दृष्टिकोण का अभाव पाया जाता है।

चयनित प्रतिनिधि छात्रों ने ग्रहण की शपथ

सोनीपत। ऋषिकुल विद्यापीठ सोनीपत के सभागार में सैश समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन एसके शर्मा तथा इटली से आए छात्र शिक्षक दल के कर कमलों द्वारा करवाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चारों सदनों के चयनित प्रतिनिधि छात्रों ने शपथ ग्रहण की। तत्पश्चात विद्यालय की सीनियर शाखा के हेड ब्वाय वैभव तथा सैकेंडरी शाखा की हैडगर्ल इशनिका ने भाषण से नेतृत्व के गुणों पर प्रकाश डाला। इसके बाद सीनियर व सैकेंडरी शाखाओं के वाइस हैंड ब्वायस तथा वाइस हैंड गर्लस ने भी भाषण से एकजुट होकर कार्य करने के फायदों से अवगत करवाया।

गोहाना। योग सहायकों को निर्देश देते जिला योग समन्वयक डॉ. विनोद कुमार।

स्वस्थ जीवन शैली के लिए हर घर योग जरूरी : डॉ. विनोद

- विश्व योग दिवस की तैयारियों के लिए जिले के 343 गांव 8 खंडों में विभाजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

जिला योग समन्वयक एव आयुष अधिकारी गोहाना डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य ही सफलता की पहली सीढ़ी है। स्वस्थ जीवन शैली के लिए हर घर योग जरूरी है। वे 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस व 27 मई को पंचकूला में मुख्यमंत्री नायब सैनी के मुख्यातिथ्य में प्रस्तावित योग महोत्सव की तैयारी बैठक में योग सहायकों को जरूरी निर्देश दे रहे थे। डॉ. विनोद कुमार के अनुसार जिला सोनीपत में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरशोर से चली हुई हैं। जिले में 82 योगशालाओं में 83 योग सहायकों द्वारा रोजाना प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक योग का अभ्यास करवाया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की सफलता के क्रम में जिला सोनीपत के 343 गांवों को 8 खंडों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक गांव, शहर व वार्ड स्तर पर लोगों को योग से जोडऩे के लिए प्रत्येक योग सहायक को योगशाला के साथ 4 गांवों को जोडऩे की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके अनुसार इस बार योग दिवस एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आधारित होगा। बैठक में योग सहायक मनीषा, नीलम, नरेश सैनी, अमरजीत, अजय दहिया और सुनील धनाना उपस्थित रहे।

भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र थे महर्षि कश्यप : राजपाल

गोहान। आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा द्वारा शनिवार को शहर से सटे गांव गढ़ी सराय नामदार खां की चौपाल में महर्षि कश्यप का जंयती समारोह आयोजित किया गया। इससे पहले मोर्चा के सदस्यों ने शहर में पानीपत रोड स्थित महर्षि कश्यप चौक में कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें मोर्चा के सदस्यों ने महर्षि कश्यप की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके नमन किया। मुख्य वक्ता मोर्चा की जिला कार्यकारिणी के सदस्य एवं सेवानिवृत्त थानेदार राजपाल कश्यप ने कहा महर्षि कश्यप को सृष्टि के विधाता भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र तथा सप्त ऋषियों में सबसे शक्तिशाली ऋषि माना जाता है वे न केवल ऋषि परंपरा के महान सतंभ है अपितु धर्म, ज्ञान और संतुलित जीवन के प्रतीक भी हैं। जयंती समारोह की अध्यक्षता गढ़ी सराय कश्यप धर्मशाला सभा के अध्यक्ष हरिराम कश्यप ने की। मार्गदर्शन मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने किया। समारोह में सुरेश कश्यप, सतपाल कश्यप, रमेश कश्यप, विक्रम कश्यप आदि मौजूद रहे।

अच्छे अंक लेने वाले विद्यार्थी नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित

ग्लोबल पब्लिक स्कूल में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी अलंकृत

समारोह में मेधावियों के अभिभावकों का भी फूल मालाओं से स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

खानपुर कलां गांव स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल में शनिवार को अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में बोर्ड की कक्षा 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में अभिभावकों का भी फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। समारोह का शुभारंभ स्कूल के एमडी पंकज जाले ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अध्यक्षता प्राचार्या प्रीति शर्मा ने की और संयोजन उप प्राचार्य जतिन आनंद का रहा। समारोह में कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त आर्यन, अंशिका और ईशान जबकि कक्षा 10वीं की परीक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त मेधावी गुंजन, गर्वित और खुशबू को क्रमशः 51 सौ, 31 सौ और 21 सौ रुपये नकद पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। परीक्षाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लेने वाले मेधावियों को 11 सौ रुपये से सम्मानित किया गया। समारोह में मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावकों का भी फूलों की मालाओं से स्वागत किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

गोहाना। अपने अभिभावकों व गुरुजनों के संग मेधावी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते प्राचार्य साथ में अन्य स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले छात्रों को सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गढ़ी ब्राह्मणान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले छात्रों को प्राचार्य अतुल खट्टर ने स्मृति चिन्ह और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कक्षा 10 वीं में नैन्सी ने प्रथम, लक्ष्मण ने दूसरा, गोलू कुमार ने तीसरा और आंचल ने चौथा स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12 वीं में सीमा ने प्रथम, विजेता ने दूसरा, कृष्ण ने तीसरा और मुस्कान ने चौथा स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य ने बताया कि इस बार विद्यालय का बोर्ड का परीक्षा परिणाम 98 प्रतिशत रहा। दोनों कक्षाएं में 8 बच्चों ने मेरिट में स्थान बनाकर स्कूल का नाम रोशन किया। प्राचार्य ने सभी मेधावी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मीना, ऋतु, सीमा, दीपक, सुदेश, सुमन, सीमा, प्रीति, रेखा आर्य, सुशीला, गीता, सुनीता आदि सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

अभिभावक-स्कूल के बीच मजबूत संबंध बच्चों के शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण

गेटवे इंटरनेशनल स्कूल में अभिभावक दिवस का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत देते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

गेटवे इंटरनेशनल स्कूल, सोनीपत में शनिवार को प्री-प्राइमरी, कक्षा 1 और 2 के अभिभावकों के लिए विशेष अभिभावक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों की प्रगति और गतिविधियों को उनके अभिभावकों के साथ सांझा किया गया। अभिभावकों ने अपने बच्चों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की और शिक्षकों से उनके बच्चों के बारे में चर्चा की। प्रधानाचार्य प्रेम ओझा और उप प्रधानाचार्य रिम्पी वर्मा ने अभिभावकों का स्वागत करते कहा कि अभिभावकों और स्कूल के बीच मजबूत संबंध बच्चों के शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अंजू मंगला, पल्लवी मंगला और अंजू अग्रवाल उपस्थित थी। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और अभिभावकों ने उनके साथ समय बिताया।

मोबाइल उपयोग को लेकर बच्चों पर निगरानी रखें: डॉ. मनोज शर्मा

गोहाना। गीता विद्या मंदिर गोहाना में शनिवार को अभिभावक-आचार्य बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का मूल उद्देश्य आगामी परीक्षाओं में श्रेष्ठ परिणाम लाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों से अवगत कराना था। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. मनोज शर्मा ने कहा कि विद्यालय एवं अभिभावक मिलकर श्रेष्ठ वातावरण का निर्माण करते हैं। इन सभी के आपसी मेल से ही विद्यार्थी सफलता प्राप्त करता है। बच्चों के खान-पान, पारिवारिक वातावरण, मैत्रिक पर्यावरण के बारे में सकारात्मक चर्चा, फोन का प्रयोग अपनी देखरेख में ही कराने का प्रयास करें ताकि बच्चा गलत दिशा में न जाए। उनकी भावना का सम्मान करते हुए अभिभावकों ने इस कार्य में सहयोग के लिए सहर्ष सहमति प्रदान की।

डिस्प्ले सजाने की प्रतियोगिता में कक्षा 11वीं विज्ञान वर्ग की टीम ने मारीबाजी

- डीबीएम पब्लिक स्कूल में डिस्प्ले बोर्ड सजाने की प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। सजाए गए डिस्प्ले बोर्ड को दर्शाते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम पब्लिक स्कूल में शनिवार को डिस्प्ले बोर्ड सजाने की प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी कला प्रतिभा का सराहनीय प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के लिए नेतृत्व स्कूल के एमडी विकास मलिक का रहा। एमडी ने विजेताओं को अपना आशीर्वाद दिया। डिस्प्ले सजाने की प्रतियोगिता में कक्षा 11वीं विज्ञान वर्ग की टीम अव्वल रही। इस टीम के प्रभारी पीजीटी फिजिक्स जतिन थे। दूसरे स्थान पर कक्षा 9वीं ए की टीम रही। इस टीम की प्रभारी पूनम रहीं। तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से कक्षा 8वीं और कक्षा 10वीं की टीम रही। इन टीमों की कमान उनके प्रभारी गणित शिक्षक सतीश और दीपक के हाथों में थी। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में पवन यादव, सुरेंद्र मलिक, जतिन डागलिया, नेहा शर्मा और सतीश दांगी शामिल थे।

परशुराम जन्मोत्सव में गोहाना की होगी महत्वपूर्ण भागीदारी: शर्मा

समारोह को लेकर लोगों में उत्साह: पर्यटन मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। डॉ. अरविंद शर्मा को उनका व उनकी पत्नी का संयुक्त छाया चित्र भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि रोहतक के पहरावर में 30 मई को प्रस्तावित भगवान परशुराम जन्मोत्सव के राज्य स्तरीय समारोह में गोहाना-बरोदा विधानसभा से हजारों की संख्या में सर्व समाज पहुंचेगा। वे शनिवार को सेक्टर 7 स्थित भगवान परशुराम आश्रम पहुंचे। डॉ. अरविंद शर्मा ने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद लोगों से संवाद किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्यस्तरीय जन्मोत्सव के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी होंगे। समारोह में गोहाना व बरोदा विधानसभा से हजारों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। इस समारोह को लेकर प्रदेश के हर कोने में भारी जोश व उत्साह है। उन्होंने कहा कि गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैंपस पहरावर में होने जा रहे इस आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सर्व समाज द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में रोजाना बैठक करके तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस मौके पर भगवान परशुराम आश्रम प्रधान सुभाष शर्मा, शिव कुमार शर्मा, श्यामलाल वशिष्ठ, सूरजमल शर्मा, कुलदीप कौशिक, विजय पुलत्स्य, रीना शर्मा, कमलेश सैनी, रमेश महाराज, भूपेंद्र मुद्गिल, प्रवीण खुराना, रणधीर लठवाल, कृष्ण सैनी, अरुण निनानिया, प्रभु व रामू वाल्मीकि आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने वॉटर पार्क का किया भ्रमण

सोनीपत। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल ने कक्षा तीसरी से दसवीं तक के विद्यार्थियों के लिए खरखौदा स्थित वाटर पार्क भ्रमण का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न जल क्रीड़ा गतिविधियों और झूलों का भरपूर आनंद उठाया। बच्चों ने वेव पूल, रेन डांस, मल्टी लेन स्लाइड, लेज़ी रिवर जैसी जल गतिविधियों के साथ-साथ झूले, रोलर कोस्टर, ज़िपलाइन और कमांडो नेट जैसी साहसिक गतिविधियों में भाग लेकर अपने दिन को यादगार बना दिया। चेयरमैन राकेश कुच्छल ने कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। विद्यार्थियों को प्रकृति और जीवन के अनुभवों से भी सीखना चाहिए।

खबर संक्षेप

वैदिक यज्ञ समिति का मासिक यज्ञ आज

सोनीपत। वैदिक यज्ञ समिति द्वारा रविवार को मासिक यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। समिति के प्रवक्ता ने बताया कि यज्ञ में आचार्य अखिलेश्वर के ब्रह्मत्व में यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। गीता कॉलोनी रेलवे रोड नेहरू पार्क में शाम 4 बजे से 6 बजे तक आयोजन किया जाएगा।

लोगों ने धरना देकर मांगी प्रशासन से सुविधाएं

सोनीपत। बैयांपुर, लहराड़ा, कालुपुर व बाबा कॉलोनी के लोगों ने शनिवार को सांकेतिक धरना देते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों ने बताया कि इन कॉलोनियों में व्यवस्थाएं नहीं है। सरकारी अस्पताल, बैंक या कोई भी कार्यालय नहीं है। जिसकी वजह से हजारों लोगों को अपने कामों के लिये इधर उधर भटकना पड़ता है। गलियों में नालियां भी सही तरीके से नहीं बनी हुई, सीवर सही तरीके से काम नहीं कर रहे। कोई भी विधायक, मंत्री या फिर सरकारी अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहा। प्रदर्शनकारियों में रितु, कमलेश, बिमला, जगमती, सुमन, रोशन, रामरती आदि शामिल थीं।

1 करोड़ 8 लाख से होंगे विकास कार्य, नारियल तोड़कर शुभारंभ

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन की मौजूदगी में शुरू करवाए काम

■ वार्ड 11 में विकास कार्यों पर 48 लाख और वार्ड 10 में 60 लाख रुपये खर्च होंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते विधायक, मेयर एवं अन्य।

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन शनिवार को वार्ड नं 11 में पहुंचे जहां उन्होंने नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने लगभग 48 लाख रुपए की लागत से किए जाने वाले विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। मौके पर वरिष्ठ नागरिक हरि चंद ने नारियल तोड़कर विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद इंदु संजीव वलेचा, और क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिक विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने विधायक और मेयर का फूल मालाओं द्वारा स्वागत किया और उनके वार्ड में विकास कार्य करवाने के लिए आभार जताया।वहीं विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने वार्ड नं 10 में 60 लाख रुपये की लागत से विवेकानंद चौक के पास ट्यूलिप अस्पताल की तरफ जाने वाली मुख्य गली में नई सीवर लाइन बिछाने और अस्पताल के चारों तरफ की ब्रांच गलियों को सीसी से पक्का किए जाने के कार्य का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। मेयर राजीव जैन ने बताया कि मुख्य गली में 60 लाख रुपये की लागत से नई सीवरेज लाइन डाली जाएगी और गलियों को सीसी से पक्का किया जाएगा। इससे गलियों में होने वाले सीवरेज ओवरफ्लो और दूषित जलभराव की समस्या से लोगों को स्थाई तौर पर निजात मिलेगी। इस मौके पर निगम पार्षद इंदु वलेचा, संजीव वलेचा, डॉ. अनुराग अरोड़ा, गोपाल खत्री, जगदीश सैनी, हरिचंद, यश धीर, लवली भूटानी, नन्नू मदान आदि मौजूद रहे।

अभियान चलाकर की नालों की सफाई

सोनीपत। स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत अभियान को गति देते हुए देवीलाल चौक से श्रीराम शर्मा चौक, शुगर मिल, महाराजा अग्रसेन चौक तथा आईटीआई चौक से बंदेपुर तक सघन सफाई अभियान चलाया गया। सफाई कर्मियों की टीम ने एक सिरे से सड़क एवं नालों की सफाई की। नगर निगम मेयर राजीव जैन की अगुवाई में पार्षद हरी सैनी, मुकेश सैनी, मंडल अध्यक्ष आरती शर्मा समेत सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी स्वच्छता अभियान में सहयोग किया। जैन ने घोषणा की कि हर शनिवार शहर के दोनों तरफ के दो-दो सफाई कर्मियों को अच्छे एवं निष्ठां से काम करने के लिए सम्मानित किया जायेगा। बरसात से पहले नालों की सफाई का भी विशेष अभियान चलाने जा रहे हैं। जैन ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए दुकानदारों एवं रेहड़ी वालों के बीच जागरूकता अभियान भी चलाया जायेगा।

नागरिक अस्पताल में किडनी फंक्शन जांच बंद, मरीज परेशान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सोनीपत

सोनीपत। लैब में जांच के लिए सैंपल देते हुए मरीज।

सोनीपत के जिला नागरिक अस्पताल में एक सप्ताह से किडनी फंक्शन जांच बंद पड़ी हुई है, जिससे मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जांच बंद होने के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों में जाकर जांच करवानी पड़ रही है, जिससे उनके आर्थिक बोझ का सामना करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। प्रबंधन की तरफ से जल्द से जल्द जांच शुरू करने की बात कही जा रही है।

बता दें कि नागरिक अस्पताल में ओपीडी रजिस्ट्रेशन की संख्या करीब दो हजार के करीब प्रतिदिन है। वहीं केएफटी किडनी फंक्शन जांच करवाने वाले मरीजों की संख्या हर रोज करीब 150 के आसपास हो जाती है। मौजूदा समय में अमरनाथ यात्रा सहित लाइसेंस, गन लाइसेंस व अन्य मेडिकल बनाने वाले आवेदक भी अस्पताल में पहुंच रहे है। चिकित्सक की तरफ से केएफटी की जांच करवाने के निर्देश दिए जाते है। लेकिन सामग्री की कमी या मशीन खराब होने के कारण जांच प्रभावित हो रही है। लोगों को निजी लैब पर जाने पर मजबूर होना पड़ रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक बोझ का सामना करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

जल्द शुरू करवाएंगे

किडनी फंक्शन जांच की सामग्री खत्म होने की सूचना प्रशासन को दे दी गई है, और मुख्यालय को डिमांड भेज दी गई है। सामग्री उपलब्ध होते ही जांच शुरू कर दी जाएगी।

-डॉ. ज्योत्सना, प्रधान चिकित्सक अधिकारी नागरिक अस्पताल।

गुप्तचर विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 46 बांग्लादेशियों को पकड़ा

खरखौदा। सीआईडी और खरखौदा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शनिवार को अवैध रूप से रह रहे 46 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया। इनमें पुरुषों के साथ महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। फिलहाल सभी को सोनीपत में बनाए गए सेंटर होम में भेजा गया है। सीआईडी को पिछले कुछ दिनों से खरखौदा क्षेत्र के गांव व आस-पास के इलाकों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की सूचना मिल रही थी। शनिवार को टीम को सूचना मिली कि आईएमटी क्षेत्र के निकट पवन भट्टे पर बड़ी संख्या में बांग्लादेशी लोग रह रहे हैं। सूचना मिलते ही सीआईडी ने खरखौदा थाना पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की और मौके पर रह रहे 46 संदिग्ध लोगों को काबू किया।

सभी की पहचान बांग्लादेशी नागरिकों के रूप में हुई है। टीम ने इन सभी को हिरासत में लेकर सोनीपत स्थित सेंटर होम में भेज दिया है, जहां उनकी आगे की जांच की जाएगी। पुलिस व प्रशासन अब इनकी भारत में घुसपैठ, दस्तावेजों और संपर्कों की गहनता से जांच कर रहा है। इस दौरान सुरक्षा शाखा से अनिल,एसआई अशोक, एएसआइ रेखा व राकेश मौजूद रहे।

युवा पीढ़ी निभाती है उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका : जैन

सोनीपत। जैन विद्या मंदिर सीनियर सेकंडरी विद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह व वार्षिक पुरस्कारोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेयर राजीव जैन व डीईओ नवीन गुलिया थे। विद्यालय के प्रधान राकेश जैन, प्राचार्या डॉ. नीरू व प्रबंधक कमेटी के अन्य सदस्यों ने पुष्प गुच्छ से मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। प्राचार्या डॉ. नीरू ने सत्र 2024-2025 की शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक गतिविधियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। बच्चों ने उत्साह व उमंग से अपनी प्रस्तुति दी। डीईओ नवीन गुलिया ने विद्यार्थियों का उत्साह वर्द्धन किया। राजीव जैन ने अपने भाषण में कहा कि युवा पीढ़ी देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा इसकी शुरुआत विद्यालय में ही हो जाती है। विद्यार्थी काल में छात्र जो कुछ भी अच्छी बातें सीखते हैं वही उनके भविष्य निर्माण में सहायक होती हैं। गौरी और प्रिंस खत्री ने हेडगर्ल व हेड ब्वॉय के रूप में विद्यालय को उन्नति के शिखर पर ले जाने की शपथ ली। मेधावी विद्यार्थियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विद्यालय प्रधान राकेश जैन ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

ट्रेन में सफर कर रही रेवाड़ी की महिला का बैग चुराया, केस दर्ज

सोनीपत। अंबाला दिल्ली रेलमार्ग पर ट्रेन में सफर कर रही महिला का बैग चोरी होने का मामला सामने आया है। महिला ने मामले को लेकर पुरानी दिल्ली स्टेशन पर पुलिस को शिकायत दी। वारदात स्थल सोनीपत का होने के चलते शिकायत राजकीय रेलवे पुलिस सोनीपत भेजी गई। सेक्टर-4 रेवाड़ी निवासी दिव्या यादव ने बताया कि वह ऊना से दिल्ली जाने वाली गाड़ी में सफर कर रही थी।

गाड़ी सुबह करीब चार बजे सोनीपत रेलवे स्टेशन पर पहुंची। जहां किसी ने उसका बैग चोरी कर लिया। बैग में 5500 रुपये की राशि, एक घंडी, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, चाबी व चार्जर सहित अन्य सामान था। पुलिस ने इस संबंध में पुरानी दिल्ली जाकर शिकायत दी। जांच अधिकारी एसआई अजय ने बताया कि शिकायत राजकीय रेलवे पुलिस सोनीपत आई है। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द से जल्द महिला के बैग की तलाश की जाएगी।

डॉ. बीआर अम्बेडकर विधि विवि के कुलपति ने संभाला कार्यभार

राई। डॉ. बीआर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विवि की नवनियुक्त कुलपति प्रो. (डॉ.) देविन्द्र सिंह ने सोमवार को विवि के प्रांगण में स्थित शिव मन्दिर के शिवलिंग की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर औपचारिक रूप से कार्यभार संभाला। कुलसचिव प्रो. (डॉ.)आशुतोष मिश्रा ने नवनियुक्त कुलपति को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

पौधे हैं धरती की श्वास, इन्हें बचाना है हर मानव का धर्म : चेयरमैन

गन्नौर। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद ईकाई (भारत) द्वारा गन्नौर स्थित मॉडर्न कॉन्वेंट स्कूल (गार्गी गुरुकुल) में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पौधारोपण करते हुए चेयरमैन भारत शर्मा ने कहा कि पेड़ मां की तरह निस्वार्थ, सहनशील और जीवनदायिनी होते हैं। उन्होंने कहा कि पौधे धरती की श्वास, इन्हें बचाना है हर मानव का नैतिक धर्म हे।

बी. आर स्कूल में बाहरवीं के छात्र पहुंचे शिक्षकों का मीठा मुंह करवाने

गन्नौर। खेड़ी रोड स्थित बी आर ग्लोबल विद्यालय का कक्षा दसवीं और बारहवीं का वार्षिक सीबीएसई परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत आने पर छात्रों ने अपने शिक्षकों का सम्मान किया। शनिवार को बाहरवीं की परीक्षा पास करने वाले छात्रों ने शिक्षकों का मुंह मीठा करवाया। स्कूल के निदेशक राकेश यादव, निदेशिका संगीता यादव ने छात्रों को आशीर्वाद देते हुए बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। निदेशक राकेश यादव ने बताया कि दसवीं कक्षा के विद्यार्थी अच्छे अंक लेकर अपनी अगली कक्षा में विषयों के चयन को लेकर काफी उत्साहित हैं। विद्यालय की प्रबंधन समिति और शिक्षकगण अपने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के प्रदर्शन से बहुत उत्साहित है।

गांव गुमड़ में गाड़ी में डालकर युवक को पीटा

गन्नौर। गांव गुमड़ में जबरदस्ती गाड़ी में डालकर मारपीट कर घायल करने के आरोप में गन्नौर थाना पुलिस मामला दर्ज किया है। पुलिस को शिकायत में गुमड़ गांव के सुनील ने बताया कि 23 जुलाई को सागर के घर पर जा रहा था। रास्ते में हमारे पड़ोसी मनोज व उसकी मां शीला के साथ झगड़ा हो गया। उस दौरान में बीच बचाव करके वह अपने घर आ गया। जब वह रात को गांव में दुकान पर बीड़ी लेने गया तो रास्ते में मनोज ने अपनी कार रोकी और कार से 3-4 लोग लाठी-डंडों के साथ उतरे। उसी दौरान मनोज की मां शीला भी पहुंच गई। सभी ने मुझे (सुनील) को गाड़ी में डाल दिया और कुछ दूर जाकर उतारा व लाठी- डंडों से पीटना शुरू कर दिया।

कंपनी ने तोड़े खनन के नियम, जांच के आदेश

सोनीपत। असदपुर के पास यमुना में रेत खनन कर रही कंपनी द्वारा नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। सिंचाई विभाग की कमेटी ने निरीक्षण में पाया कि कंपनी भारी मशीनों से खनन कर रही थी, जिससे नदी की धारा प्रभावित हो रही थी और अवैध रास्ते बनाए गए थे। फिलहाल एसडीओ ने कंपनी को तुरंत खनन बंद करने के आदेश दिए हैं। 22 मई को एसई आरके बोडवाल, एक्सईएन आशीष कौशिक, गुलशन कुमार व एसडीओ हिमांशु की कमेटी ने असदपुर के पास मैसर्ज जेलकोवा बिल्डकान प्राइवेट लिमिटेड की खनन साइट का निरीक्षण किया।

FIMS HOSPITAL
'Nurturing Life'
Department of Gastroenterology & Liver Diseases

पेट व लिवर से सम्बंधित सभी बीमारियों का ईलाज व जाँच जैसे:-
- पेट में छाले होना व दर्द होना (Stomach Ulcer)
- दीर्घकालिक लिवर की बीमारी व लिवर फेलियर (Chronic liver disease and liver failure)
- फैटी लिवर, गैसट्राएटिस व स्थायी दस्त (Fatty Liver, Gastritis, Chronic Diarrhea)
- सभी प्रकार के हेपेटाईटिस (Hepatitis) का ईलाज
- लिवर की ब्लीडिंग का दूरबीन द्वारा बैंडिंग व ग्लू इंजेक्शन (Banding & Glue Injection)
- एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी इत्यादि (Endoscopy, Colonoscopy Sigmoidoscopy)
- ERCP व अन्य प्रोसीजर्स।

Dr. (Col.) M Bhagat
MBBS, MD, DM (Gastroenterology)
Previously assc. with AIIMS Delhi, Indian Army Hospitals, Artemis, Max, & Fortis
ओ.पी.डी. : सोमवार से शनिवार सुबह 11:00 से 1:30 बजे तक

फिम्स अस्पताल
बहालगढ़–सोनीपत रोड, सोनीपत, हरियाणा–131001
फोन : 0130–2205000, 07082012006–7–8, www.fimssonipat.com
"On panel of CGHS, Haryana Govt., ESI, ECHS, Delhi Gov, Railway, NDMC, DJB, FCI, MCD, AAI, DTL, DTC, TPDDL, Raksha, Star, and all Major Insurance Companies, TPAs, & PSUs."

GATEWAY INTERNATIONAL SCHOOL
CBSE Co-Ed Residential School
Congratulations to all the Students and proud Parents & Teachers
CBSE BOARD EXAMINATION RESULT 2024-25

CLASS X

SANJANA (96.5%)
PULKIT SHARMA (96.2%)
ASHITA KANSAL (95.3%)

SUBJECT WISE TOPPER

SUBJECT	MARKS	NAME
MATHEMATICS	100	ASHITA KANSAL
ARTIFICIAL INTELLIGENCE	100	PULKIT SHARMA SANJANA
SCIENCE	100	PULKIT SHARMA
ENGLISH	97	SANJANA
S.SC.	97	PULKIT SHARMA
HINDI	94	SANJANA ASHITA KANSAL

CLASS XII

SUBJECT WISE TOPPER

SUBJECT	MARKS	NAME
PSYCHOLOGY	100	SANVI PALIWAL
PAINTING	100	KHUSHI SHARMA
ENGLISH	98	SIYA PALIWAL
ACCOUNTANCY	98	SIYA PALIWAL
HINDI	98	KHUSHI SHARMA
ECONOMICS	97	SIYA PALIWAL
HISTORY	97	KHUSHI SHARMA
PHY. EDUCATION	97	AGRIMN

KHUSHI SHARMA (97.2%) HUMANITIES
SANVI PALIWAL (95.4%) HUMANITIES
SIYA PALIWAL (95.2%) COMMERCE

AC HOSTEL FACILITY FOR BOYS & GIRLS
SCHOLARSHIPS for Class XI Students only
FOLLOWING LEGACY OF 100% RESULT
50% ON COMPOSITE FEE FOR ABOVE 95% ACHIEVERS IN CLASS X BOARD EXAM
25% ON COMPOSITE FEE FOR ABOVE 90% ACHIEVERS IN CLASS X BOARD EXAM
SPORTS SCHOLARSHIP FOR CBSE NATIONAL & KHELO INDIA WINNERS

ADMISSIONS OPEN 2025-26
PRE-NURSERY (3+) TO IX & XI
DAY BOARDING / RESIDENTIAL / DAYCARE FACILITY AVAILABLE
STREAMS: MEDICAL | NON-MEDICAL | COMMERCE | HUMANITIES
English, Physics, Chemistry, Mathematics, Biology, Computer Science, Accountancy Business Studies, Economics, History, Political Science, Geography, Physical Education Fine Arts, Psychology, Legal Studies, IP, Entrepreneurship

Sector-11, Sonipat 9812302331, 9812302372 enquiry@gateway.edu.in
OUR VENTURES
HRM GLOBAL SCHOOL | GATEWAY COLLEGE OF ARCHITECTURE & DESIGN | GATEWAY INSTITUTE OF ENGINEERING & TECHNOLOGY | GATEWAY COLLEGE OF PHARMACY | rishihood university

भविष्य की दुनिया बदल देगी
जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा काम: डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजना: भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसान: सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षम: रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्कैन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

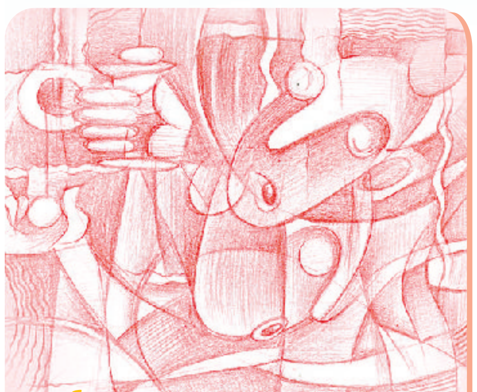

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / **विज्ञान भूषण**

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब।* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तक: जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकार:** शंकरानंद, **मूल्य:** 295 रुपए, **प्रकाशक:** सेतु प्रकाशन, नोएडा

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

फैशन / शिखर चंद जैन

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

टोप हैट

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है

प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्नापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

खास मुलाकात / पूजा सामंत

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंह्स' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *